

67



ASIO-2600-II/15

न्यायालय माननीय राजस्व मंडल मं०प्र० ग्वालियर
प्रकरण क्रमांक /2015 निगरानी

निगरानीकर्ता

मोतीलाल दांगी पुत्र श्री जगन आयु 60 वर्ष

माननीय न्यायालय के माध्यम से
13-8-15

व्यवसाय कार्तकारी निवासी ग्राम अचरा खास
तहसील मोहनगढ़ जिला टोकमगढ़

~~बनाम~~
13-8-15
कोर्ट के माध्यम से
(1) श्रीमती चरु देवी दांगी पत्नी
भारती
(2) प्रपेन्द्र कुंज भारती
(3) श्रीमती मोर कुंज भारती

बनाम

- मातादीन पुत्र मगन दांगी
 - शोभाराम पुत्र मगन दांगी
- निवासीग्राम अचराखास तहसील मोहन
गढ़ जिला टोकमगढ़ म.प्र.

प्रथम निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म.प्र.भूराजस्व संहिता
1959 विच्छेद आदेश दिनांक 21.5.2015, मातादीन, शोभा
राम प्रकरण सीमांकन क्रमांक 21 राजस्व निरोधक मंडल
तहसील मोहनगढ़ जिला टोकमगढ़ म.प्र.

माननीय न्यायालय,

निगरानीकर्ता की ओर से निगरानी आवेदनपत्र निम्न प्रकार है -

प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य

1. यहकि निगरानीकर्ता के स्वत्व स्वामित्व व आधिपत्य की आराजी
स्थित ग्राम अचराखास सर्वे क्रमांक 889 रकबा 0.040 हेक्टे. है वह
वर्ष 1945 से उक्त भूमि पर वतौर स्वामी कार्तकर रहा है और
उक्त सर्वे क्र. 889 पर पत्थर की वाउन्ड्रीवाल बनी हुई है तथा उसने
उक्त सर्वे का सीमांकन वर्ष 2003 में करायाथा उक्त सीमांकन केअनुसार
प्रार्थी काविज है ।

Handwritten signature
13/8/15

2

यहकि अनावेदकगण द्वारा ग्राम अचराखास की सर्वे क्रमांक 889 रकबा

67

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

2

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी-2600-दो/2015

जिला टीकमगढ़

मोतीलाल विरूद्ध मातादीन

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
07-01-2019	<ol style="list-style-type: none"> 1. प्रकरण प्रस्तुत । 2. आवेदक की ओर कोई उपस्थित नहीं । 3. प्रस्तुत निगरानी राजस्व निरीक्षक मंडल मोहनगढ़ के प्रकरण क्रमांक 21/अ-12/2014-15 में पारित सीमांकन आदेश दिनांक 21-05-2015 के विरूद्ध प्रस्तुत की गई थी । 4. म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 129 में किये गये संशोधनवर्ष 2018 के अनुसार सीमांकन आदेश के विरूद्ध आपत्ति सुनवाई के अधिकार अनुविभागीय अधिकारी को दिये गये हैं । 5. अतः प्रकरण सक्षम न्यायालय में सुनवाई हेतु अनुविभागीय अधिकारी को प्रत्यायोजित किया जाता है । उभय पक्ष दिनांक 27-02-2019 को अनुविभागीय अधिकारी के यहां उपस्थित हो । <p>अधीनस्थ न्यायालय को अभिलेख भेजा जाये ।</p>	<p>(आर.के.जे.न.) सदस्य 7.1.19</p>